v'oes/k ;kx&Ik;kZoj.k laj{k.k dk fy, fo'o0;kih vfHk;ku

(पर्यावरण प्रदूषण और पृथिवी ग्रह को वैश्विक ऊष्मा की भयावह स्थिति से बचाने हेतु पर्यावरण संरक्षण की वैदिकी प्रक्रिया अश्वमेध याग द्वारा जागरूकता उत्पन्न करने के लिए वर्षभर चलने वाला वैश्विक अभियान)

पर्यावरण प्रदूषण और वैष्विक ऊष्मा की भयावह स्थिति से गुजर रहे आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वैदिक यज्ञ विधि की अत्यधिक प्रासंगिकता को देखते हुए नाडी वैद्य कायाकल्प रोहतक तथा वेदविज्ञान प्रतिष्ठान भारत ने निर्णय लिया है कि वर्ष पर्यन्त चलने वाले वैदिक अष्वमेध याग के अनुष्ठान के माध्यम से पूरे विष्व में पर्यावरण प्रदूषण तथा वैष्विक ऊष्मा के नियन्त्रण एवं हेतु एक विष्वव्यापी अभियान चलाया जाए। यह अभियान 22 दिसम्बर 2019 (उत्तरायण) से अरम्भ होकर अगले वर्ष 21 दिसम्बर 2020 तक चलायर जाऐगा। एक वर्ष तक पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य तथा विष्वषान्ति हेतु यज्ञ तथा भारत वर्ष के प्रसिद्ध वेदपाठी विद्वानों द्वारा सस्वर वेदपाठ करवाया जाएगा ताकि यज्ञ तथा सस्वर मन्त्रपाठ की संगीत तरंगो से वातावरण, विषेषकर यज्ञीय स्थल, शुद्ध, स्वच्छ एवं शान्तिमय हो। जो व्यक्ति अपने शरीरिक या मानसिक बिमारियों से छुटकारा पाना चाहते हैं तथा शान्ति एवं जीवन में समृद्धि प्राप्त करना चाहते हैं वे यज्ञ में पूर्वसूचना तथा पूर्वानुमति से भाग ले सकते हैं ताकि यज्ञीय स्थल पा उनके वैठने की व्यवस्था की जा सके। दूर दराज तथा विदेषों से आने वाले भक्तों के लिए निःषुल्क भोजन तथा आवास की व्यवस्था की जाएगी।

हमें यह सुचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि ट्रिनिडाड एवं टोबेगो की आर्यसमाज फाऊंडेषन ने भी श्री विजय बच्चन के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में हमारे साथ भाग लेने की उत्कृष्ट इच्छा शक्ति प्रकट की है। वे लोग भी अपने क्षेत्र में इस वर्ष पर्यन्त इस अभियान को चलाएंगे।

हम पृथिवी पर निवास करने वाले अपने सब मित्रों का आह्वान करते हैं कि बढते हुए पर्यावरण प्रदूषण तथा वैश्विक ऊष्मा से पृथिवी को बचाएं। अथर्ववेद में कहा है–

Hkkfe ekrk i=k·g ifFkO;k%A

अर्थात् भूमि हमारी माता है तथा हम भूमि की संतान हैं।

अंत मे हम कहना चाहेंगे कि यदि हम भूमि माता की रक्षा कर सकेंगे तो वह हमारी रक्षा कर पाएगी। अपनी सुरक्षा के लिए पर्यावारण की रक्षा करें। अष्वमेध याग की प्रासंगिकता एवं महत्त्व पर विशेष लेख यज्ञीय स्थल पर उपलब्ध रहेगा।